भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 13 जून, 2025
जारी करने का समय: 1530 घंटे

विषय: (i) अगले 2 दिनों के दौरान विदर्भ, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ और हिस्सों में; उसके बाद के 3 दिनों के दौरान गुजरात, पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं।

(ii) 13-17 जून, 2025 के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत और कोंकण और गोवा में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा और अत्यधिक भारी वर्षा (>20 सेमी/24 घंटे) के साथ मानसून सक्रिय चरण में रहने की संभावना है।

(iii) अगले 2 दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र सहित उत्तर-पश्चिम भारत में लू से लेकर भीषण लू की स्थिति जारी रहने और उसके बाद कम होने की संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून: (परिशिष्ट I):

- उत्तरी मानसून की सीमा 17.0°N/55°E, 17.5°N/60°E, 18°N/65°E, 18.5°N/70°E, मुंबई, अहिल्यनगर, आदिलाबाद, भवानीपटना, पुरी, सैंडहेड द्वीप, 23.5°N/89.5°E, बलूरघाट, 30°N/85°E से होकर गुजर रही है।
- अगले 2 दिनों में विदर्भ, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ और हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ हैं; इसके बाद अगले 3 दिनों में गुजरात, पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार के कुछ हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में आज, 13 जून 2025 की सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम (परिशिष्ट II):

- जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, पश्चिम राजस्थान में कई स्थानों पर लू की स्थिति रही, कुछ स्थानों पर गंभीर लू की स्थिति थी; पंजाब में कई स्थानों पर लू की स्थिति; पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में; दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और पूर्वी मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर लू की स्थिति थी।
- पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में गर्म रात से लेकर गंभीर गर्म रात की स्थिति रही; हरियाणा के अलग-अलग क्षेत्रों में; पंजाब के कई हिस्सों में गर्म रात की स्थिति रही।
- हिमाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि हुई।
- कोंकण और तटीय कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश के साथ अत्यधिक भारी बारिश दर्ज की गई।
- गोवा, मध्य महाराष्ट्र, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, आंतरिक कर्नाटक और केरल और माहे में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश हुई।

- पश्चिम मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा में अलग-अलग स्थानों पर 60-90 किमी/घंटा की गति के साथ आंधी और तेज हवाएँ; तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, कोंकण, बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में 30-59 किमी/घंटा की गति के साथ आंधी और तेज हवाएँ।

अधिक जानकारी के लिए, कृपया परिशिष्ट II देखें।

पिछले 24 घंटों में आज की सुबह 08:30 बजे IST तक अधिकतम तापमान की विस्तृत जानकारी परिशिष्ट III में संलग्न है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (परिशिष्ट IV और V):

- उत्तर-पश्चिम राजस्थान के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण है और एक निम्न स्तर की ट्रफ मध्य प्रदेश और विदर्भ के रास्ते इस चक्रवाती परिसंचरण से मराठवाड़ा तक फैली हुई है।
- उत्तर आंतरिक कर्नाटक और आसपास के तेलंगाना और रायलसीमा के ऊपर निम्न और मध्य स्तर की ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण है, जो ऊँचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुका हुआ है।
- पश्चिम मध्य अरब सागर से दक्षिण तटीय ओडिशा तक निम्न स्तर की ट्रफ है।
- मध्य स्तर की पश्चिमी हवाओं में एक पश्चिमी विक्षोभ 28°N अक्षांश के उत्तर में लगभग 66°E देशांतर के साथ फैला हुआ है।
- इन प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- अगले 7 दिनों में केरल और माहे, कर्नाटक और लक्षद्वीप में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश होने की संभावना है और 13-17 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तेलंगाना, कर्नाटक में; 13 और 17 जून को केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ 40-50 किमी/घंटा की गति वाली तेज हवाएँ और बिजली गिरने की संभावना है।
- तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 13-18 जून तक; केरल और माहे में 13-19 जून तक; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 13-16 जून तक; रायलसीमा में 13 जून को; तेलंगाना, तटीय कर्नाटक में 13-18 जून तक; आंतरिक कर्नाटक में 13-17 जून तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है; तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 13, 16, 17 जून को; केरल और माहे में 13, 17 और 18 जून को; तटीय कर्नाटक में 16 और 17 जून को; दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 15-17 जून तक; उत्तर आंतरिक कर्नाटक में 13 और 14 जून को बहुत भारी बारिश की संभावना है; तटीय कर्नाटक में 13-15 जून तक; दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 13 जून को; केरल और माहे में 14-16 जून तक; तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 14 और 15 जून को अत्यधिक भारी बारिश (>20 सेमी/24 घंटे) की संभावना है।
- केरल और माहे में 14-16 जून तक और आंतरिक कर्नाटक में 13 जून को 50-60 किमी/घंटा की गति वाली तेज सतही हवाएँ होने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- मध्य महाराष्ट्र और गुजरात क्षेत्र में 13-15 जून तक; मराठवाड़ा में 13-17 जून तक; कोंकण और गोवा में 13 जून को; सौराष्ट्र और कच्छ में 13-16 जून तक अधिकांश/कई स्थानों पर गरज और बिजली के साथ हल्की/मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- मराठवाड़ा में 13 और 14 जून को; कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र में 13-19 जून तक; सौराष्ट्र और कच्छ में 14-19 जून तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है; कोंकण और गोवा में 17 जून को; मध्य महाराष्ट्र में 13 और 15-17 जून तक; सौराष्ट्र और कच्छ में 15 और 16 जून को बहुत भारी बारिश की संभावना है; कोंकण और गोवा में 13-16 जून तक अत्यधिक भारी बारिश (>20 सेमी/24 घंटे) की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- अगले 7 दिनों में उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है और 14-17 जून के दौरान मध्य प्रदेश में; 15-17 जून के दौरान विदर्भ, छतीसगढ़ में; 13-15 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 13-17 जून के दौरान बिहार, झारखंड, ओडिशा में

अलग-अलग स्थानों पर गरज, बिजली और 40-50 किमी/घंटा की गति वाली तेज हवाएँ होने की संभावना है; पश्चिम मध्य प्रदेश में 13-15 जून तक; विदर्भ में 13 और 14 जून को; छत्तीसगढ़ में 14 जून को; बिहार में 15 जून को 50-60 किमी/घंटा की गति वाली आंधी (70 किमी/घंटा तक) की संभावना है।

- पूर्वी मध्य प्रदेश में 16 और 17 जून को; विदर्भ, छत्तीसगढ़ में 15-19 जून तक; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 13 जून को; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 13-15 जून तक; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 16-18 जून तक; बिहार में 19 जून को; झारखंड में 17-19 जून तक; ओडिशा में 14-18 जून तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 14 जून को और ओडिशा में 16 और 17 जून को बहुत भारी बारिश की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिम उत्तर प्रदेश में 13-19 जून तक; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 14-19 जून तक; राजस्थान में 18 और 19 जून को कुछ/अलग-अलग स्थानों पर गरज, बिजली और 40-50 किमी/घंटा की गति वाली तेज हवाएँ के साथ हल्की/मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- उत्तराखंड में 13-19 जून तक; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 17-19 जून तक और पश्चिम उत्तर प्रदेश में 19 जून को अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।
- राजस्थान में 13-17 जून तक अलग-अलग स्थानों पर धूल भरी आंधी/आंधी (50-60 किमी/घंटा की गति, 70 किमी/घंटा तक) की संभावना है।

उत्तर-पूर्व भारत:

- अगले 7 दिनों में उत्तर-पूर्व भारत में कई/अधिकांश स्थानों पर गरज, बिजली और 30-40 किमी/घंटा की गति वाली तेज हवाएँ के साथ हल्की/मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है; अरुणाचल प्रदेश में 14-19 जून तक, असम और मेघालय और नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 13-19 जून तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है; अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 17-19 जून तक; असम और मेघालय में 16-19 जून तक बहुत भारी बारिश की संभावना है।

अधिकतम तापमान पूर्वानुमान:

- अगले 2 दिनों में उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होने की संभावना है और इसके बाद अगले 5 दिनों में 2-4 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक कमी होने की संभावना है।
- देश के बाकी हिस्सों में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होने की संभावना है।

लू, गर्म और आर्द्र मौसम और गर्म रात की चेतावनियाँ:

- राजस्थान में 13-15 जून तक कई/कुछ स्थानों पर लू की स्थिति बहुत संभावित है, पश्चिम राजस्थान में 13 और 14 जून को कुछ हिस्सों में गंभीर लू की स्थिति है।
- पंजाब में 13-15 जून तक कई/कुछ स्थानों पर लू की स्थिति बहुत संभावित है, 13 जून को अलग-अलग/कुछ हिस्सों में गंभीर लू की स्थिति है।
- हरियाणा में 13-15 जून तक कई/कुछ स्थानों पर लू की स्थिति बहुत संभावित है, 13 और 14 जून को अलग-अलग/कुछ हिस्सों में गंभीर लू की स्थिति है।
- जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश में 13 और 14 जून को अलग-अलग स्थानों पर लू की स्थिति बहुत संभावित है, जम्मू-कश्मीर में 13 जून को कुछ हिस्सों में गंभीर लू की स्थिति है।
- उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में 13 और 14 जून को कुछ/कई स्थानों पर लू की स्थिति बहुत संभावित है।
- अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 13 जून को; बिहार में 13 और 14 जून को गर्म और आर्द्र मौसम की संभावना है।
- पंजाब, हरियाणा में 13 और 15 जून को; पश्चिम राजस्थान में 13 और 14 जून को; पूर्वी राजस्थान में 13 जून को अलग-अलग क्षेत्रों में गर्म रात की स्थिति बहुत संभावित है।

मछुआरों के लिए चेतावनियाँ:

- ❖ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे पहले दिन से लेकर पांचवें दिन तक सोमालिया तट और उसके आसपास के समुद्री इलाकों में न जाएं।

- ❖ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे पहले दिन से लेकर पांचवें दिन तक कोमोरिन क्षेत्र में न जाएं (13 से 18 जून 2025); पहले दिन से लेकर पांचवें दिन तक कोंकण, गोवा, कर्नाटक, केरल के तटों पर न जाएं (13 से 18 जून 2025); चौथे और पांचवें दिन तक गुजरात तट पर न जाएं (16 से 18 जून 2025); पहले दिन से लेकर पांचवें दिन तक लक्षद्वीप, मालदीव क्षेत्रों और दक्षिण पूर्व अरब सागर, पूर्व मध्य अरब सागर पर न जाएं (13 से 18 जून 2025); पहले दिन दक्षिण-पश्चिम के कुछ उत्तरी भागों और पश्चिम मध्य अरब सागर के दक्षिणी भागों पर न जाएं; दक्षिण-पश्चिम एवं पश्चिम-मध्य अरब सागर के कुछ भागों में दिन 2 (14 जून 2025) के लिए, दक्षिण-पश्चिम एवं पश्चिम-मध्य अरब सागर के कई भागों में दिन 3 से दिन 5 (15 से 18 जून 2025) के लिए; उत्तर-पूर्व अरब सागर के कुछ भागों में दिन 4, दिन 5 (16 से 18 जून 2025) के लिए।

- ❖ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे पहले दिन से लेकर पांचवें दिन तक (13 से 18 जून 2025) बंगाल की खाड़ी के दक्षिणी भाग में, पहले दिन से लेकर पांचवें दिन तक (13 जून 2025) बंगाल की खाड़ी के आस-पास के भागों में, दूसरे दिन से लेकर पांचवें दिन तक (14 से 18 जून 2025) बंगाल की खाड़ी के मध्य भाग में, पहले दिन से लेकर पांचवें दिन तक (13 से 18 जून 2025) तमिलनाडु तट के साथ-साथ, दूसरे दिन से लेकर पांचवें दिन तक (14 से 18 जून 2025) आंध्र प्रदेश तट के साथ-साथ, पहले दिन से लेकर पांचवें दिन तक (13 से 18 जून 2025) श्रीलंका तट के साथ-साथ, पांचवें दिन (17 जून 2025) ओडिशा, पश्चिम बंगाल तट और बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम भाग में न जाएं। मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे पहले दिन से लेकर पांचवें दिन (13 से 18 जून 2025) तक मन्नार की खाड़ी में न जाएं।

- ❖ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे पहले दिन से लेकर पांचवें दिन (13 से 18 जून 2025) तक अंडमान सागर में न जाएं।

- ❖ उपर्युक्त क्षेत्रों और तिथियों में मछली पकड़ने के काम को पूरी तरह से स्थगित करने का सुझाव दिया जाता है।

ii. 13 जून से 16 जून, 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक VI)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:
https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

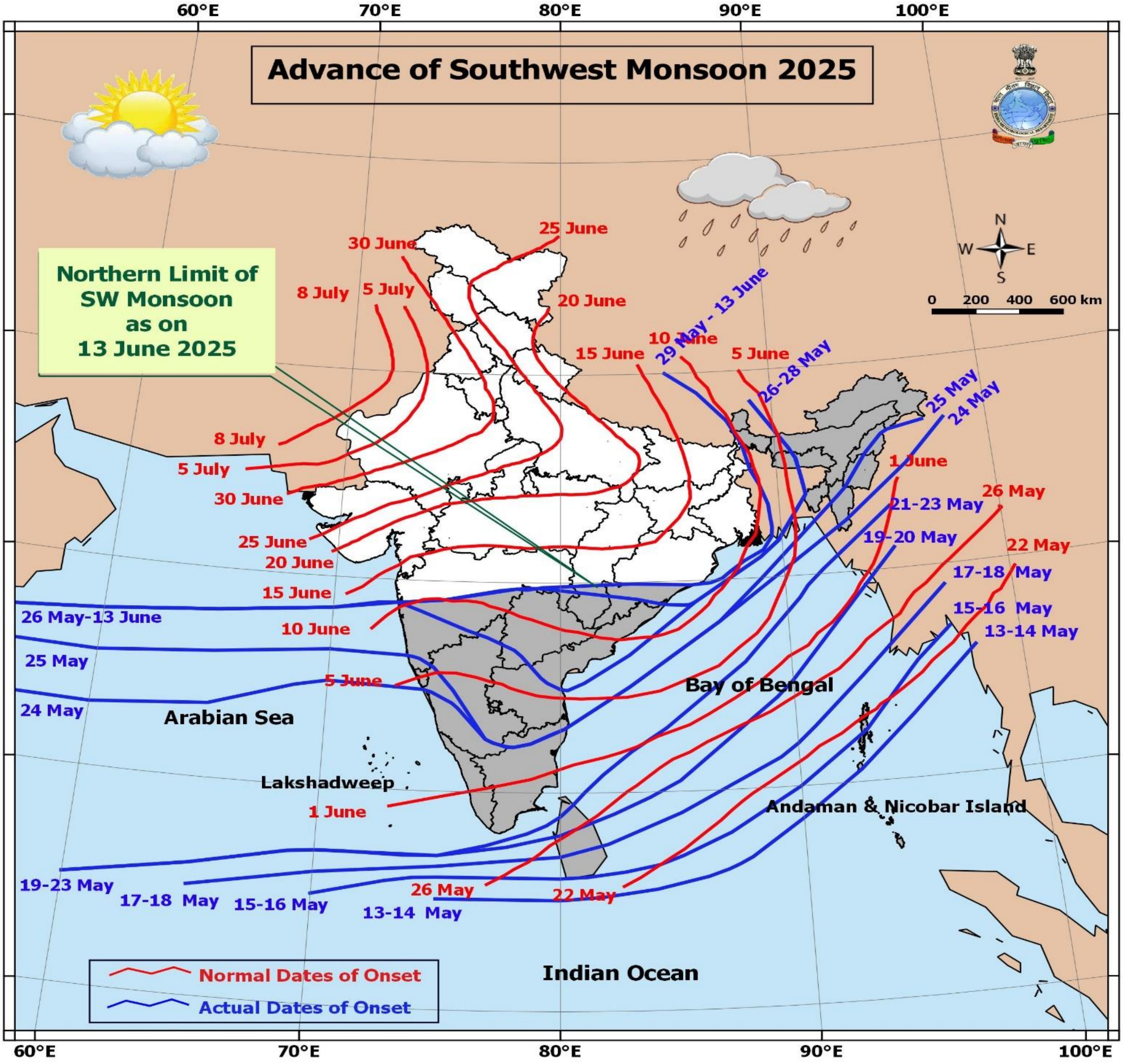

Advance of Southwest Monsoon 2025
Northern Limit of SW Monsoon as on 13 June 2025
Normal Dates of Onset
Actual Dates of Onset
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
Lakshadweep
Andaman & Nicobar Island
8 July
5 July
30 June
25 June
20 June
15 June
10 June
5 June
1 June
26 May
22 May
29 May - 13 June
26-28 May
25 May
24 May
21-23 May
19-20 May
17-18 May
15-16 May
13-14 May
26 May-13 June
19-23 May

अनुलग्नक II

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **कोंकण और गोवा**: रामेश्वर एआरजी (जिला सिंधुदुर्ग) 30; पोंडा (जिला उत्तर गोवा), देवगढ़ (जिला सिंधुदुर्ग) 22 प्रत्येक; संगुएम (जिला दक्षिण गोवा), कैनाकोना (जिला दक्षिण गोवा) 14 प्रत्येक; वैभववाड़ी (जिला सिंधुदुर्ग) 11; मापुसा (जिला उत्तर गोवा), क्यूपेम (जिला दक्षिण गोवा) 10 प्रत्येक; पेरनेम (जिला उत्तर गोवा), पंजिम (जिला उत्तर गोवा) 9 प्रत्येक; पवारवाड़ी - एआरजी (जिला रत्नागिरी), मडगांव (जिला दक्षिण गोवा), डाबोलिम एन.ए.एस.- नेवी (जिला दक्षिण गोवा), लांजा (जिला रत्नागिरी) 8 प्रत्येक; मुरबाड (जिला ठाणे), मालवन (जिला सिंधुदुर्ग), गुहागढ़ (जिला रत्नागिरी), कंकावली (जिला सिंधुदुर्ग) 7 प्रत्येक;
- **तटीय कर्नाटक:** करवार (जिला उत्तर कन्नड़) 24; कुंडापुर (जिला उडुपी) 16; कोटा (जिला उडुपी) 15; उडुपी (जिला उडुपी), होनावर (जिला उत्तर कन्नड़) 12 प्रत्येक; मुल्की (जिला दक्षिण कन्नड़), कुमता (जिला उत्तर कन्नड़) 10 प्रत्येक; मुदुबिद्रे (जिला दक्षिण कन्नड़), गेर्सोप्पा (जिला उत्तर कन्नड़) 9 प्रत्येक; सिद्दापुरा (जिला उडुपी), गोकर्ण (जिला उत्तर कन्नड़), कादरा (जिला उत्तर कन्नड़) 8 प्रत्येक;
- **तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल**: जोन 11 नेरकुंड्रम (जिला चेन्नई) 17, जोन 02 मनाली न्यू टाउन (जिला चेन्नई) 14, जोन 02 मनाली (जिला चेन्नई) 12, जोन 07 कोरत्तूर (जिला चेन्नई) 11, अराकोणम (जिला रानीपेट) 10, उथुकोट्टई (जिला तिरुवल्लुर), जोन 11 वलसरवक्कम (जिला चेन्नई) 9 प्रत्येक, पूंडी (जिला तिरुवल्लूर), जोन 07 अयापक्कम (जिला चेन्नई), जोन 06 पेरम्बूर (जिला चेन्नई), गुम्मिडिपोंडी (जिला तिरुवल्लूर), जोन 07 अंबत्तूर (जिला चेन्नई) 8 प्रत्येक, जोन 03 पुझल (जिला चेन्नई), पोन्नेरी (जिला तिरुवल्लूर), मिन्नाल (जिला रानीपेट), तिरुत्तानी (जिला तिरुवल्लूर) 7 प्रत्येक,
- **तेलंगाना**: जडचेरला (जिला महबूबनगर) 11;
- **तटीय आंध्र प्रदेश और** यनम: माचेरला (जिला पलनाडु) 10;
- **उत्तरी आंतरिक कर्नाटक**: बैलहोंगल (जिला बेलगावी), ज़ालकी क्रॉस (जिला विजयपुरा) 9 प्रत्येक; सेडबल (जिला बेलगावी), धारवाड़ एचओएस (जिला धारवाड़) 8 प्रत्येक;
- **रायलसीमा**: टाडा (जिला तिरूपति) 8;
- **केरल और माहे:** होसदुर्ग (जिला कासरगोड) 8; पेरिंगोम एडब्ल्यूएस (जिला कन्नूर) 7;
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक:** भद्रावती (जिला शिवमोग्गा) 7;
- **मध्य महाराष्ट्र:** कोल्हापुर/करवीर आईएमडी (जिला कोल्हापुर) 7.

आज 13.06.2025 को 0300 UTC पर समाप्त होने वाले पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज की गई तेज़ हवायें (किलोमीटर प्रति घंटा में) (आरएमसी/एमसी से प्राप्त):

- **पश्चिम मध्य प्रदेश**: मुरैना-83, इंदौर 65;
- **मध्य महाराष्ट्र**: धुले 70, शहादा (नंदुरबार) 68, कोपरगांव (अहिल्यानगर) 54 किमी प्रति घंटा, शिवाजीनगर (पुणे)- 72,
- **मराठवाड़ा**: छत्रपति संभाजी नगर 67, जालना 63;
- **तमिलनाडु पुदुचेरी और कराईकल:** तेनकासी 56, वेदसंदूर 52, थूथुकुडी 50, कोयंबटूर 48, कदावुर_तालुक_ऑफिस 46, नाथम, कोविलपट्टी 41 प्रत्येक, नमक्कल 39;
- **कोंकण**: सिंधुदुर्ग (देवगढ़) 52, रायगढ़ (अलीबाग) 48;
- **बिहार**: अर्राबाड़ी 48, खगड़िया 41, आईआईटी_पटना 31, भोजपुर 31, अररिया 31, सरैया 30, डुमरांव 30;
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: बहराईच 46;
- **जम्मू-कश्मीर:** छठा 37;
- **हिमाचल प्रदेश:** बजौरा 37;
- **पूर्वी मध्य प्रदेश:** जबलपुर 37;
- **झारखंड**: बोकारो 37, चतरा 30, पलामू डाल्टनगंज 30, बरही 30;
- **गंगीय पश्चिम बंगाल:** कोलकाता हवाई अड्डा 32, डायमंड हार्बर 31;
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल**: जलपाईगुड़ी 31;
- **ओडिशा**: भुवनेश्वर 31, जगतसिंहपुर 30;

अनुलग्नक III

पिछले 24 घंटों के दौरान आज 0830 बजे IST तक तापमान अवलोकन:

- कल, राजस्थान, पंजाब के अधिकांश स्थानों पर **अधिकतम तापमान 43-48 डिग्री** सेल्सियस के बीच रहा; जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली में कुछ स्थानों पर; मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर। गुजरात राज्य, बिहार के कई स्थानों **पर यह 39-43 डिग्री सेल्सियस** के बीच था; विदर्भ में अलग-अलग स्थानों पर। असम और मेघालय में कई स्थानों पर यह **35-39 डिग्री** सेल्सियस के बीच था। पश्चिम बंगाल में गंगा के मैदानी क्षेत्र; हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ में कुछ स्थानों पर; ओडिशा, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तराखंड, मराठवाड़ा, झारखंड, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, तेलंगाना, मध्य महाराष्ट्र और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में अलग-अलग स्थानों पर और देश के शेष हिस्से में कहीं-कहीं **35 डिग्री सेल्सियस से नीचे।** कल, **श्रीगंगानगर (राजस्थान) में अधिकतम तापमान 47.8°C** दर्ज किया गया।

- कल, **अधिकतम तापमान प्रस्थान (12-06-2025 तक):** असम और मेघालय और जम्मू-कश्मीर लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान मुजफ्फराबाद में कई स्थानों पर सामान्य से काफी ऊपर (> 5.1 डिग्री सेल्सियस); अरुणाचल प्रदेश में अधिकांश स्थानों पर; पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर; उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश और पूर्वी मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर। नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा और पंजाब में कई स्थानों पर सामान्य से काफी ऊपर (3.1 डिग्री सेल्सियस से 5.0 डिग्री सेल्सियस); बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और सौराष्ट्र और कच्छ में कुछ स्थानों पर; गुजरात क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर। गंगीय पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड और तटीय कर्नाटक में कुछ स्थानों पर सामान्य से ऊपर (1.6 डिग्री सेल्सियस से 3.0 डिग्री सेल्सियस); ओडिशा, विदर्भ, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में अलग-अलग स्थानों पर केरल और माहे. कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र में कई स्थानों पर सामान्य (-1.5 डिग्री सेल्सियस से 1.5 डिग्री सेल्सियस) के करीब छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक; अधिकांश स्थानों पर लक्षद्वीप; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, झारखंड, तेलंगाना और उत्तरी आंतरिक भाग में कुछ स्थानों पर कर्नाटक; मराठवाड़ा और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर रहा।

चित्र 1): अधिकतम तापमान

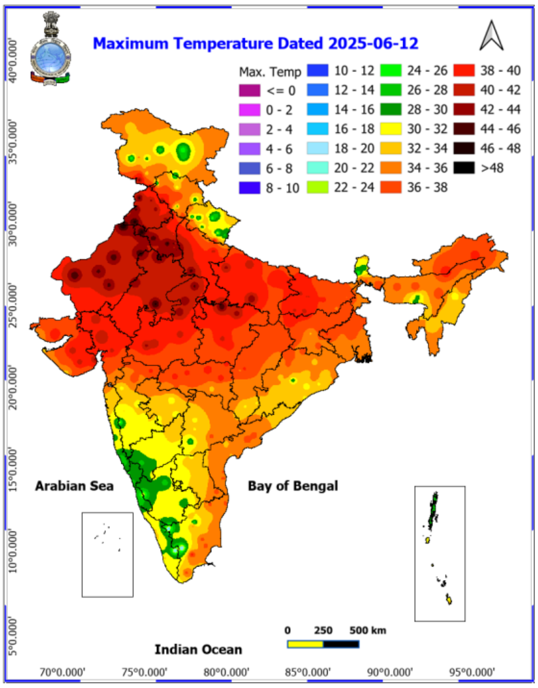

चित्र 2): अधिकतम तापमान का विचलन

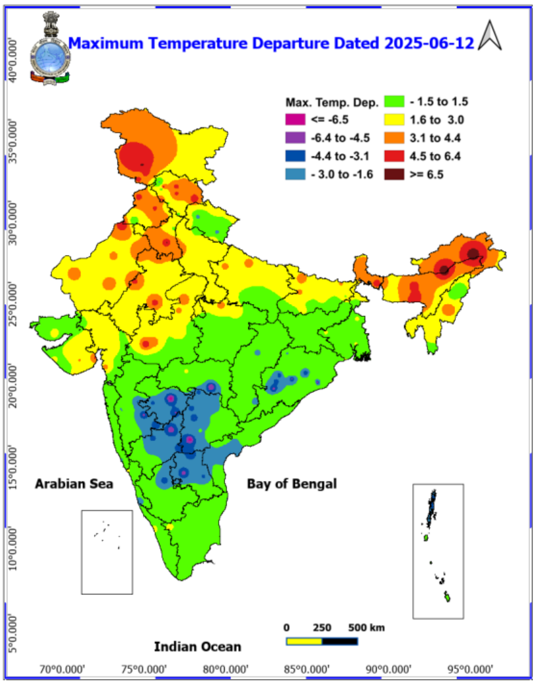

अनुलग्नक IV

S.No.	Subdivision	13- Jun	14- Jun	15- Jun	16- Jun	17- Jun	18- Jun	19- Jun
Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	SCT	SCT	FWS	WS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	WS	WS	FWS	FWS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	ISOL	SCT	FWS	FWS	WS	WS	WS
7	ODISHA	SCT	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	ISOL	SCT	FWS	FWS	WS	WS	WS
9	BIHAR	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS
14	PUNJAB	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	SCT	WS	WS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	FWS	FWS	FWS	WS	WS	FWS	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	SCT	FWS	WS	WS	FWS	SCT
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	FWS	SCT	ISOL	SCT	FWS	SCT	SCT
26	VIDARBHA	SCT	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
27	CHHATTISGARH	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
29	TELANGANA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	SCT	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	SCT	ISOL
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

अनुलग्नक V

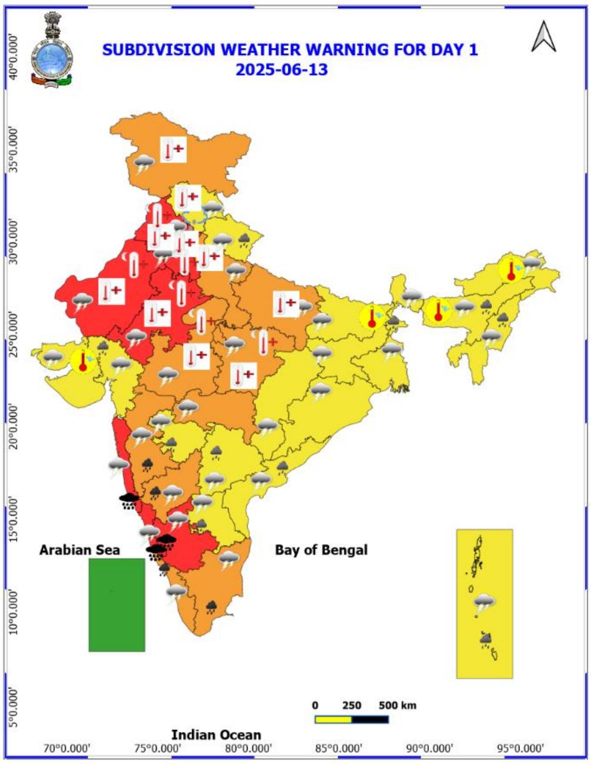

SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-06-13
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000' 75°0.000' 80°0.000' 85°0.000' 90°0.000' 95°0.000'

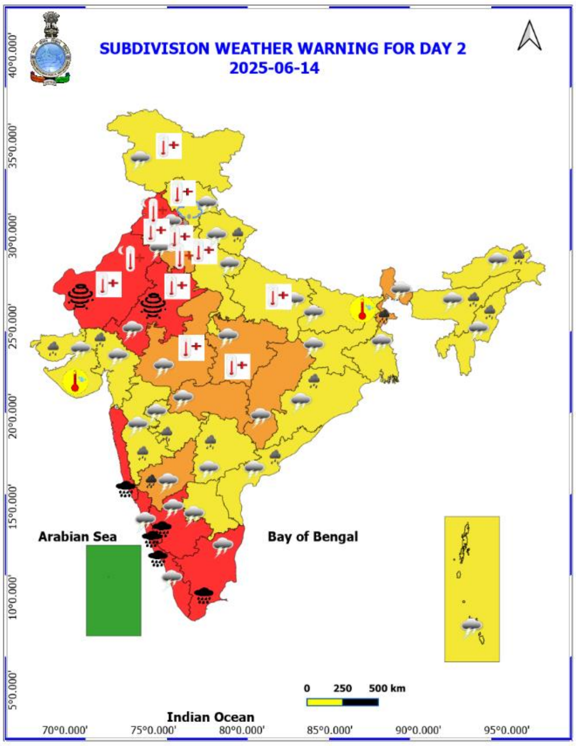

SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-06-14
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000' 75°0.000' 80°0.000' 85°0.000' 90°0.000' 95°0.000'

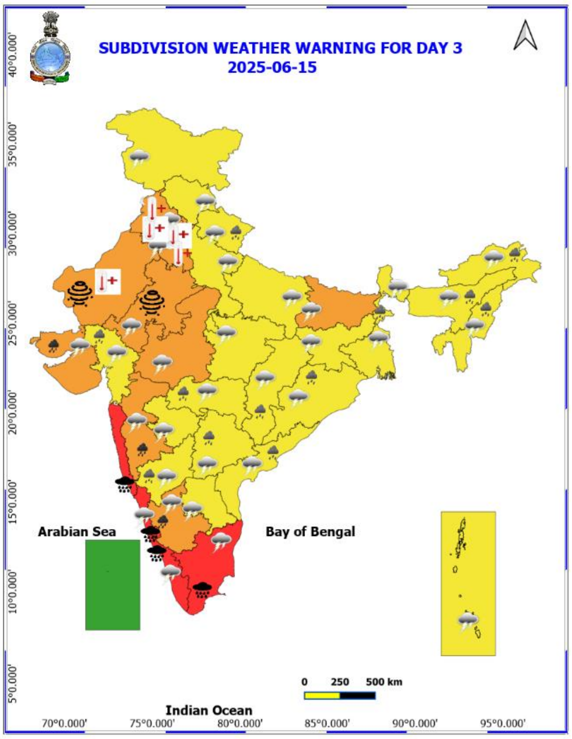

SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-06-15
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000' 75°0.000' 80°0.000' 85°0.000' 90°0.000' 95°0.000'

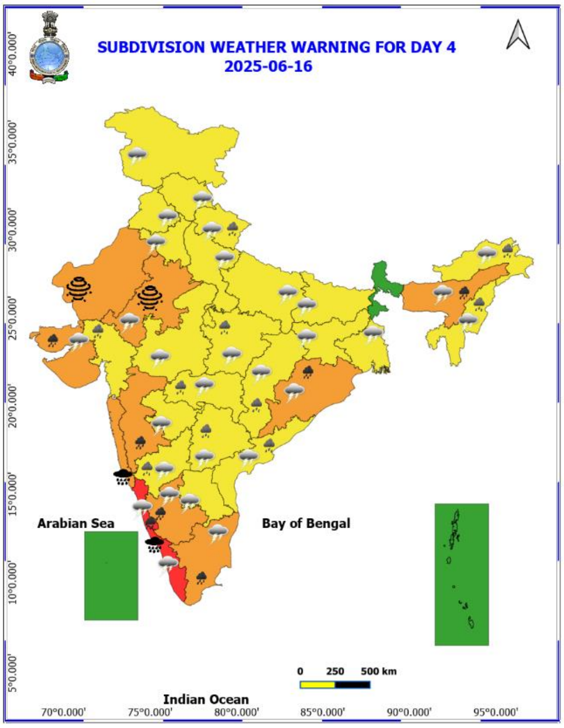

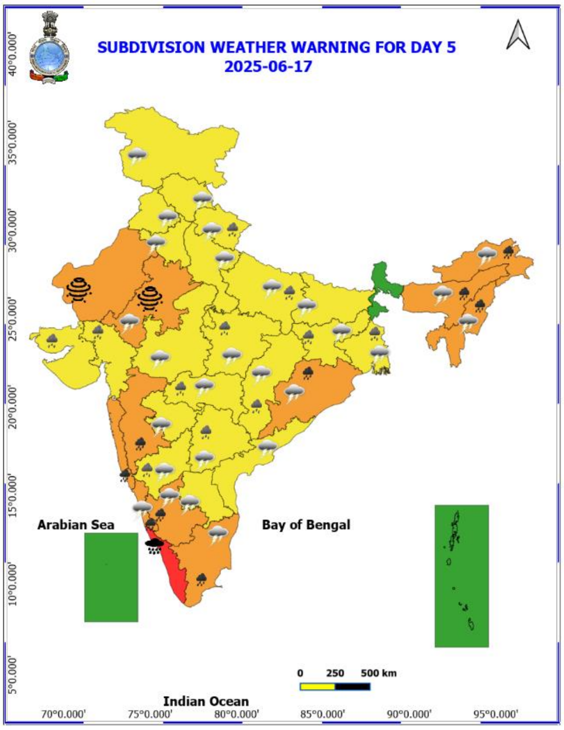

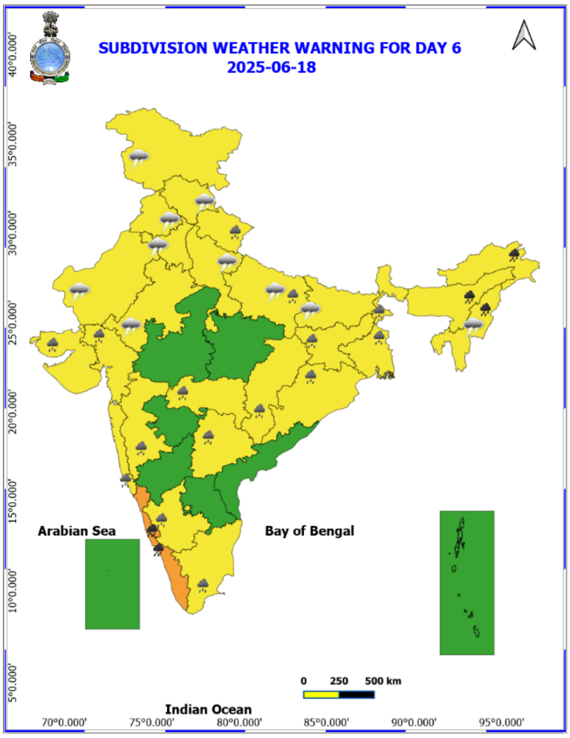

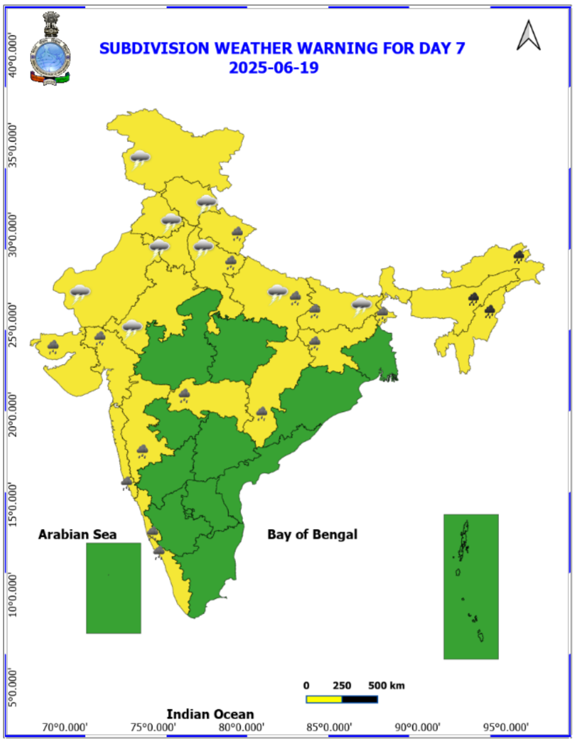

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआरकेलिएमौसमपूर्वानुमान (13 से 16 जून2025 तक)

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में मामूली वृद्धि हुई है जबकि अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं देखा गया। दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग **43 से 44 डिग्री सेल्सियस** और न्यूनतम तापमान **28 से 31 डिग्री सेल्सियस** के बीच रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से **1 से 3 डिग्री सेल्सियस** तक अधिक रहा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से **3 से 4 डिग्री सेल्सियस** अधिक रहा। इस दौरान आकाश मुख्यतः साफ रहा और पूर्व दिशा से सतही हवा चली जिसकी गति **16 किमी/घंटा** तक रही। आज पूर्वाह्न में भी पूर्व दिशा से हवा की गति **12 किमी/घंटा से कम** रही और आकाश मुख्यतः साफ रहा।

मौसम पूर्वानुमान:

13.06.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। मौसम गर्म और आर्द्र रहेगा। शाम/रात्रि के समय बहुत हल्की से हल्की वर्षा/गरज के साथ बिजली चमकने और धूलभरी आंधी चलने की संभावना है, जिसमें हवा की गति **40-50 किमी/घंटा**, अस्थायी रूप से **60 किमी/घंटा** तक हो सकती है। अधिकतम तापमान **42 से 44 डिग्री सेल्सियस** के बीच रहेगा, जो सामान्य से **2 से 4 डिग्री सेल्सियस** अधिक होगा। दोपहर में सतही हवा मुख्यतः **दक्षिण-पूर्व दिशा** से **15 किमी/घंटा से कम** की गति से चलेगी, जो शाम/रात्रि में बढ़कर **15-20 किमी/घंटा** की गति से **दक्षिण-पश्चिम दिशा** से चलेगी।

14.06.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की वर्षा/गरज के साथ बिजली चमकने और धूलभरी आंधी की संभावना है। अधिकतम तापमान **41 से 43 डिग्री सेल्सियस** और न्यूनतम तापमान **28 से 30 डिग्री सेल्सियस** के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान सामान्य से **1-2 डिग्री** और अधिकतम तापमान सामान्य से **1-3 डिग्री** अधिक रहेगा। सुबह की सतही हवा मुख्यतः **दक्षिण दिशा** से **10 किमी/घंटा से कम** की गति से चलेगी, जो दोपहर में **उत्तर-पश्चिम दिशा** से **10-14 किमी/घंटा** और शाम/रात्रि में **25 किमी/घंटा से कम** हो जाएगी।

15.06.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की वर्षा/गरज के साथ बिजली चमकने और धूलभरी आंधी की संभावना है। अधिकतम तापमान **39 से 41 डिग्री सेल्सियस** और न्यूनतम तापमान **27 से 29 डिग्री सेल्सियस** के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा और अधिकतम तापमान भी सामान्य के करीब रहेगा। सुबह की सतही हवा **उत्तर-पूर्व दिशा** से **15 किमी/घंटा से कम** की गति से चलेगी, दोपहर में **उत्तर दिशा** से **18 किमी/घंटा से कम** और शाम/रात्रि में **उत्तर-पश्चिम दिशा** से **20 किमी/घंटा से कम** हो जाएगी।

16.06.2025: आकाश सामान्यतः बादलयुक्त रहेगा। हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ बिजली चमकने की संभावना है। अधिकतम तापमान **37 से 39 डिग्री सेल्सियस** और न्यूनतम तापमान **27 से 29 डिग्री सेल्सियस** के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान सामान्य से **1-2 डिग्री कम** रहेगा। सुबह की हवा मुख्यतः **दक्षिण-पूर्व दिशा** से **10 किमी/घंटा से कम**, दोपहर में **उत्तर दिशा** से **12 किमी/घंटा से कम**, और शाम/रात्रि में **दक्षिण-पूर्व दिशा** से **15 किमी/घंटा से कम** की गति से चलेगी।

गर्म और आर्द्र मौसम के कारण संभावित प्रभाव व सुझाव:

- हीट वेव की संभावना नहीं है, लेकिन तापमान सामान्य से अधिक रहने के कारण सतर्कता और सावधानी बरतें।
- कमजोर वर्ग के लोगों के लिए स्वास्थ्य पर मध्यम प्रभाव संभव है, जैसे शिशु, वृद्ध, और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग।
- गर्मी से बचें, हल्के, हल्के रंग के, ढीले और सूती कपड़े पहनें, सिर को कपड़े, टोपी या छतरी से ढकें।

आंधी, बिजली और तेज़ हवाओं के कारण संभावित प्रभाव व सुझाव:

- गरज-चमक और धूलभरी तेज हवाओं (30-40 किमी/घंटा, अस्थायी रूप से 50 किमी/घंटा) के चलते सतर्क रहें और सावधानी बरतें।
- पेड़ों की शाखाएं टूट सकती हैं, बड़े पेड़ उखड़ सकते हैं, फसलों को नुकसान हो सकता है, बिजली और संचार लाइनों को क्षति पहुंच सकती है, कमजोर संरचनाएं क्षतिग्रस्त हो सकती हैं, ढीली वस्तुएं उड़ सकती हैं।
- मौसम की स्थिति पर नज़र रखें, आवश्यकता होने पर सुरक्षित स्थानों पर जाएं, घर के अंदर रहें, खिड़की-दरवाजे बंद करें, यात्रा से बचें, सुरक्षित आश्रय लें, पेड़ के नीचे न ठहरें, कंक्रीट फर्श पर न लेटें और कंक्रीट दीवारों से दूर रहें, विद्युत उपकरणों को अनप्लग करें, जल स्रोतों से तुरंत बाहर निकलें और बिजली चलाने वाली चीजों से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई

- 13-16 तारीख के दौरान कोंकण और गोवा में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (>20 सेमी/24 घंटे); 13-15 तारीख के दौरान तटीय कर्नाटक; 13 जून को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक; 14-16 तारीख के दौरान केरल और माहे; 14 और 15 जून को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल।
- 17-19 तारीख के दौरान अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा; 16-19 तारीख के दौरान असम और मेघालय; 14 को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम और 16 और 17 को ओडिशा; 17 को कोंकण और गोवा; 13 और 15-17 के दौरान मध्य महाराष्ट्र; 15 और 16 को सौराष्ट्र और कच्छ; 13, 16, 17 जून को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल; 13, 17 और 18 जून को केरल और माहे; 16 और 17 जून को तटीय कर्नाटक; 15-17 जून के दौरान दक्षिण आंतरिक कर्नाटक; 13 और 14 जून को उत्तर आंतरिक कर्नाटक।

अपेक्षित प्रभाव

- ❖ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- ❖ भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- ❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- ❖ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना
- ❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- ❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- ❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- ❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

उष्ण लहर /गंभीर उष्ण लहर की स्थिति के कारण अपेक्षित प्रभाव और सुझाई गई कार्रवाई

- ❖ 13-15 जून को राजस्थान में कई/कुछ स्थानों पर लू की स्थिति रहेगी तथा 13 और 14 जून को पश्चिमी राजस्थान के कुछ भागों में भीषण लू की स्थिति रहेगी।
- ❖ 13-15 जून के दौरान पंजाब में कई/कुछ स्थानों पर लू की स्थिति रहेगी तथा 13 जून को अलग-अलग/कुछ भागों में भीषण लू की स्थिति रहेगी।
- ❖ 13-15 जून के दौरान हरियाणा में कई/कुछ स्थानों पर लू की स्थिति रहेगी तथा 13 और 14 जून को अलग-अलग/कुछ भागों में भीषण लू की स्थिति रहेगी।
- ❖ 13 और 14 जून को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर लू की स्थिति रहेगी तथा 13 जून को जम्मू-कश्मीर के कुछ भागों में भीषण लू की स्थिति रहेगी।
- ❖ 13 और 14 जून को उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में कुछ/कई स्थानों पर लू की स्थिति रहेगी।

रेड अलर्ट क्षेत्र

- ❖ सभी उम्र के लोगों में गर्मी से होने वाली बीमारी और हीट स्ट्रोक होने की बहुत अधिक संभावना है।
- ❖ कमज़ोर लोगों के लिए अत्यधिक देखभाल की आवश्यकता है।

ऑरेंज अलर्ट क्षेत्र:

- लंबे समय तक धूप में रहने वाले या भारी काम करने वाले लोगों में उच्च तापमान और गर्मी से होने वाली बीमारी के लक्षणों की संभावना बढ़ जाती है।
- कमज़ोर लोगों जैसे कि शिशु, बुज़ुर्ग, पुरानी बीमारियों वाले लोगों के लिए उच्च स्वास्थ्य चिंता।
- गर्मी के संपर्क में आने से बचें - ठंडा रहें। निर्जलीकरण से बचें।
- पर्याप्त पानी पिएँ - भले ही प्यास न लगे।
- खुद को हाइड्रेट रखने के लिए ओआरएस, घर के बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का उपयोग करें।

येलो अलर्ट वाले क्षेत्र

- सामान्य लोगों के लिए मध्यम तापमान और गर्मी सहनीय है, लेकिन कमज़ोर लोगों जैसे कि शिशुओं, बुजुर्गों, पुरानी बीमारियों वाले लोगों के लिए मध्यम स्वास्थ्य चिंता की संभावना है।
- गर्मी के संपर्क में आने से बचें।
- हल्के, हल्के रंग के, ढीले, सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढकें, कपड़े, टोपी या छाता का उपयोग करें

अलग-अलग स्थानों पर बिजली/तेज और तूफानी हवाओं के साथ तूफान आने के कारण अपेक्षित प्रभाव और कार्रवाई का सुझाव दिया गया है।

- **13-15 जून के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर आंधी (50-60 किमी प्रति घंटे की गति से बढ़कर 70 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने वाली हवाएं); 13 और 14 जून को विदर्भ; 14 जून को छत्तीसगढ़; 15 जून को बिहार।**
- **13-17 जून के दौरान राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर धूल भरी आंधी/ आंधी (50-60 किमी प्रति घंटे की गति से बढ़कर 70 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने वाली हवाएं)।**
- **14-16 जून के दौरान केरल और माहे में और 13 जून को आंतरिक कर्नाटक में तेज सतही हवाएं (50-60 किमी प्रति घंटे की गति से पहुंचने वाली हवाएं)।**

अपेक्षित प्रभाव:

- पेड़ों की शाखाओं का टूटना, बड़े-बड़े पेड़ों का उखड़ना। पेड़ों से बड़ी-बड़ी सूखी टहनियाँ उड़ना। खड़ी फसलों को नुकसान।
- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर बहुत बड़ा नुकसान।
- शाखाओं के टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर बहुत बड़ा नुकसान।
- तेज़ हवा/ओलावृष्टि से बागान, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ओलावृष्टि से खुले स्थानों पर लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज़ हवाओं के कारण कमज़ोर संरचनाओं को आंशिक नुकसान।
- कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।
- ढीली वस्तुएँ उड़ सकती हैं।

सुझाई गई कार्रवाई:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे बिगड़ती परिस्थितियों के लिए मौसम पर नज़र रखें और तदनुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और यदि संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों के सहारे न झुकें।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें।

- पानी वाले स्थानों से तुरंत बाहर निकलें।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी वर्षा / तेज़ हवाओं / ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **तटीय कर्नाटक** में चावल की नर्सरी बुवाई तथा **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक** में प्याज, कपास, अरहर की बुवाई तथा चावल और टमाटर की नर्सरी बुवाई स्थगित करें।
- **तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, उत्तराखंड, ओडिशा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह** और **एनएमएमटी** में खड़ी फसलों, सब्जियों और बागों से अतिरिक्त जल की निकासी करें और जल निकासी हेतु उचित व्यवस्था बनाए रखें।
- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या उपज को खेतों में तिरपाल की चादर से ढक दें। कटी हुई फसलों को उचित ढंग से बांधें और ढककर रखें ताकि तेज हवा के कारण विस्थापन का खतरा कम हो।
- बागवानी फसलों और सब्जियों को गिरने से बचाव हेतु उन्हें सहारा प्रदान करें।
- **जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान** और **मध्य प्रदेश** में, खड़ी फसलों, सब्जियों और बागानों को ऊष्ण लहर और उच्च तापमान के प्रतिकूल प्रभावों से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और नियमित सिंचाई प्रदान करें। मिट्टी की नमी को संरक्षित करने के लिए फसल के अवशेष, पुआल, पॉलीथीन या मिट्टी से मल्चिंग करें।

पशुपालन / मुर्गीपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।
- ऊष्ण लहर / उच्च तापमान के प्रभाव को कम करने हेतु, पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढक दें। साथ ही, पशुओं को साफ, स्वच्छ और भरपूर मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएँ।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

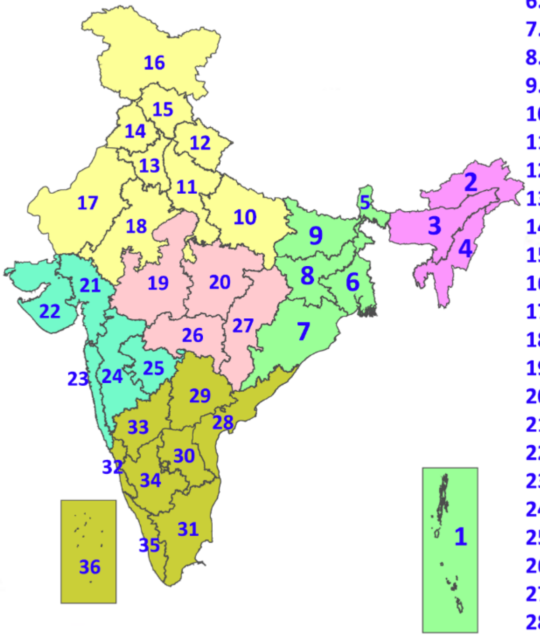

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)